भगवान शिव के गुणों पर ध्यान

विज्ञानभैरव से एक धारणा

ध्यान में प्रवेश करते हुए, अपने बोध को केन्द्रित करने हेतु
इस धारणा में दिए गए अभिकथनों को दोहराएँ

परमेश्वर सर्वज्ञ, सर्वकर्ता और सर्वव्यापक हैं।
“स्वाभाविक रूप से, मैं शिव के गुणों का मूर्तरूप हूँ; मैं शिव हूँ,”
इस बोध को धारण करने से साधक वास्तव में शिव हो जाता है।

[अभिकथन—वे कथन जिन्हें जागरूकता के साथ बार-बार दोहराया जाता है ताकि वे हमारी चेतना में पैठ जाएँ।]

© २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।
विज्ञानभैरव १०९; अंग्रेज़ी भाषान्तर © २०१७ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®।